है गणनायक महाराज म्हारे आँगन आवो

है गणनायक महाराज , म्हारे आँगन आवो आज
है गोरी सुत , गणराज ,म्हारे आँगन आवो आज
चारो ओर ,एक ही शोर , आओ है गणराज
शिव के दुलारे राखो ,तुम अब भक्तो की लाज
है गणनायक महाराज ....

हो ..आओ मूषक वाहन देवा , हाँ देवा
ओ गणराजा करा में थारी सेवा
रिद्धि और सिद्धि लाओ , हाँ लाओ
देवा आँगन में आकर रस बरसाओ
चारो ओर ,एक ही शोर , आओ है गणराज
शिव के दुलारे राखो , तुम अब भक्तो की लाज
है गणनायक महाराज ....

हो देवा , आनंद मंगल करजो , हाँ करजो
दुख संकट ने पल में बाबा हरजो
सुख सम्पति भरपूर दीजो , हाँ दीजो
बाबा भक्ता रे घर मे सदा ही रहजो
चारो ओर ,एक ही शोर , आओ है गणराज
शिव के दुलारे राखो ,तुम अब भक्तो की लाज
है गणनायक महाराज ....

महीना भादव का आया , हाँ आया
गणेश उत्सव का रंग घर घर में छाया
हो आये " दिलबर " ये गणराज , हाँ गणराज
कहे विक्रम ये भक्तो के सिरताज
चारो ओर ,एक ही शोर , आओ है गणराज
शिव के दुलारे राखो , तुमअब भक्तो की लाज
है गणनायक महाराज ....

Source:
https://www.bharattemples.com/he-ghanyaank-maharaj-mahare-angana-aawo/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw